न्यूज डायरी

बुर्किना फासो में 32 आतंकवादी मारे गए, कई सेक्स स्लेव को भी कराया गया मुक्त

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) जोहानिसबर्ग। बुर्किना फासो की सेना ने कहा कि देश के उत्तरी हिस्से में सप्ताहांत में 32 इस्लामी आतंकवादियों को मार गिराया गया। सेक्स स्लेव बनाकर रखी गई कई महिलाओं को मुक्त कराया गया। पश्चिम अफ्रीकी देश की सेना के एक बयान में कहा गया कि हालिया संघर्ष में एक सैनिक की भी मौत हो गई। बयान में कहा कि योरसला में शुक्रवार को भीषण लड़ाई में 24 आतंकवादी मारे गए। कनाडा की खनन कंपनी पर आतंकियों ने किया था हमला योरसला में संघर्ष के अगले दिन पास के बरजंगा में सेना के चलाए गए अभियान में 8 आतंकवादी मारे गए और हथियारों का जखीरा बरामद किया गया। पिछले दिनों कनाडा की खनन कंपनी के कर्मचारियों को ले जा रहे एक काफिले पर हमले में 37 लोगों की मौत के बाद बुर्किना फासो के राष्ट्रपति ने आतंकवादियों का खात्मा करने का संकल्प जताया था।

इस्लामिक स्टेट की सदस्य मांओं के 30 बच्चों को इराक जेल से रूस लाया गया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मॉस्को। एक से 3 साल के 30 बच्चों को इराक से रूस भेजा गया है। इन बच्चों की माताएं आतंकवादी गतिविधियों में शामिल होने के जुर्म में इराक की जेल में बंद हैं। रूस के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। रूस के विदेश मंत्रालय ने बताया कि 32 छोटे–छोटे बच्चे इराक की जेलों में बंद थे। इन बच्चों की मां इस्लामिक स्टेट की सदस्य होने की वजह से या तो सजा काट रही हैं या उन्हें सजा सुनाई जानी बाकी है। रूस के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि ये बच्चे सोमवार रात मॉस्को पहुंचे और इन्हें स्वास्थ्य जांच के लिए सीधे अस्पताल भेज दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि पिछले साल दिसंबर से अब तक कुल 122 नाबालिग रूस आ चुके हैं। इस्लामिक स्टेट में रूस के काफी नागरिक हैं। वहां से वापस आने वाली ज्यादातर महिलाएं और बच्चे हैं और मुस्लिम बहुल कॉकसस क्षेत्र से हैं जिसे चेचेन्या कहा जाता है।

अमेरिका ने माना: इस्राइली बस्तियां अवैध नहीं हैं

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वॉशिंगटन/यरूशलम। अपनी नीति में बड़ा बदलाव लाते हुए ट्रम्प प्रशासन ने कहा है कि अब वह नहीं मानता कि पश्चिम तट पर इस्राइली बस्तियां अवैध हैं। प्रशासन ने कहा कि पहले के विचार थे कि इस तरह के ढांचे अंतरराष्ट्रीय कानून के मुताबिक असंगत हैं, लेकिन इससे पश्चिम एशिया में शांति प्रक्रिया में मदद नहीं मिली। विदेश मंत्री माइक पोम्पियो ने सोमवार को यह घोषणा की जिसका इस्राइल ने स्वागत किया जबकि फलस्तीनियों ने इसकी निंदा की। उन्होंने कहा, ''कानूनी बहस के सभी पक्षों का सावधानीपूर्वक अध्ययन करने के बाद अमेरिका का मानना है कि पश्चिम तट पर इस्राइल की नागरिक बस्तियां अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत अवैध नहीं हैं।'' पोम्पियो ने इस्राइल और फलस्तीन के बीच शांति वार्ता के स्थगन का हवाला देते हुए कहा, ''नागरिक बस्तियों को अंतरराष्ट्रीय कानून के तहत असंगत कहने से उद्देश्य पूरा नहीं हुआ। इससे शांति की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ सकी।''

भारतीय मूल के पुलिसकर्मी के सम्मान में ह्यूस्टन पुलिस ने ड्रेस कोड नीति बदली

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ह्यूस्टन। भारतीय मूल के अमेरिकी सिख पुलिस अधिकारी संदीप सिंह धालीवाल की शहादत के सम्मान में ह्यूस्टन पुलिस विभाग ने अपनी ड्रेस कोड नीति को बदल दिया, जिसके तहत अल्पसंख्यक समुदाय के सदस्य ड्यूटी पर रहते हुए अपनी धार्मिक पहचान को बनाए रखने की इजाजत दी गई है। हैरिस काउंटी शेरिफ कार्यालय में दस वर्षों से कार्यरत धालीवाल की ह्यूस्टन में यातायात ड्यूटी के दौरान 28 सितम्बर को गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। 42 वर्षीय पुलिस अधिकारी उस वक्त राष्ट्रीय सुर्खियों में आए थे जब उन्हें कार्य के दौरान दाढ़ी रखने और पगड़ी पहनने की अनुमति दी गई थी। डिप्टी धालीवाल ने हमें समग्रता का महत्वपूर्ण सबक सिखाया है। उन्हें समझना सम्मान की बात है।''

पाकिस्तान के पूर्व पीएम नवाज शरीफ उपचार के लिए लंदन रवाना

आरोप

- शरीफ का परिवार इलाज में लापरवाही बरतने का आरोप इमरान खान सरकार पर लगाता रहा है
- शरीफ को पिछले महीने अस्पताल में भर्ती किया गया था

लाहौर हाई कोर्ट से मिली राहत के बाद पूर्व पाक पीएम इलाज के लिए विदेश जा सके

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ मंगलवार को उपचार के लिए एयर ऐंबुलेंस से लंदन रवाना हो गए। लाहौर उच्च न्यायालय ने कई रोगों से ग्रस्त शरीफ को 4 हफ्तों के लिए विदेश जाने की इजाजत दे दी थी। कोर्ट ने इमरान खान सरकार के क्षतिपूर्ति बांड पर हस्ताक्षर करवाने की शर्त को खारिज कर दिया था। शरीफ (69) के साथ उनके छोटे भाई शहबाज शरीफ और निजी डॉक्टर अदनान खान भी गए हैं।

लाहौर हाई कोर्ट ने नवाज को दी इजाजत: पूर्व प्रधानमंत्री के लिए अत्याधुनिक एयर ऐंबुलेंस दोहा से मंगवाई गई थी, उसी में सवार होकर वह कतर से लंदन के लिए रवाना हुए। पीएमएलएन की प्रवक्ता मरियम औरंगजेब ने पीटीआई–भाषा को बताया कि शरीफ को इलाज के लिए लंदन के हार्ले स्ट्रीट क्लिनिक ले जाया जाएगा। जरूरत पड़ने पर अमेरिका (बोस्टन) भेजा जाएगा। उन्होंने बताया कि रवाना होने से पहले चिकित्सकों ने शरीफ की लाहौर के जटी उमरा आवास पर जांच की और यात्रा के दौरान उनकी हालत स्थिर बनाए रखने के लिए उन्हें स्टीरॉइड और दवाईयों के भारी डोज दिए।

लंदन जाने से पहले नवाज ने बॉन्ड भरने से किया इनकार: एयर ऐंबुलेंस में आईसीयू और ऑपरेशन कक्ष स्थापित किए गए हैं। इसमें चिकित्सक और उनके सहायक भी मौजूद रहेंगे। इमरान खान सरकार ने नवाज शरीफ को इलाज कराने के लिए ब्रिटेन जाने के वास्ते 700 करोड़ रुपये की क्षतिपूर्ति बॉन्ड जमा कराने की शर्त रखी थी। शरीफ ने इमरान खान सरकार की मांग मानने से बुधवार को इनकार कर दिया था और कहा था कि यह गैरकानूनी है।

परिवार ने लगाया इलाज में राजनीति का आरोप: पाकिस्तान मुस्लिम लीग–नवाज के सुप्रीमो ने कहा था कि यह प्रधानमंत्री खान द्वारा राजनीतिक लाभ के लिए उन्हें इस्तेमाल करने के लिए फंसाने का एक तरीका है। शरीफ ने सरकार की इस मांग को अदालत में चुनौती दी थी। लाहौर उच्च न्यायालय ने इमरान खान सरकार की बांड जमा करने की शर्त को दरकिनार करते हुए शरीफ को इलाज के वास्ते चार सप्ताह के लिये विदेश जाने की अनुमति दी थी।

श्रीलंका के नए राष्ट्रपति राजपक्षे का पाक के प्रति है ज्यादा झुकाव

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। श्रीलंका के नए राष्ट्रपति के रूप में गोटबाया राजपक्षे के निर्वाचन के बाद से ही भारत, चीन और पाकिस्तान के साथ श्रीलंका के रिश्तों को लेकर अटकलें लग रही हैं। कहा जा रहा है कि नए राष्ट्रपति का भारत के साथ रिश्ते की परख न केवल चीन के साथ उनके परिवार के नजदीकी रिश्तों बल्कि पाकिस्तान के साथ खुद उनके संबंधों के आधार पर होगी। वहीं, पाकिस्तान को श्रीलंका में नई उम्मीद दिखने लगी है।

क्यों खुश है पाकिस्तान? पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय के अधिकारी ने पहचान गुप्त रखने की शर्त पर पाकिस्तानी अखबार डेली एक्सप्रेस ट्रिब्यून से कहा, वह (रानिल विक्रमसिंघे) भारत के इतनी करीब थे कि पाकिस्तान के प्रति उनका रवैया बेहद ढीला–ढाला रहा। अगर (सजीत) प्रेमदासा चुनाव जीत जाते तो पाकिस्तान के लिए बड़ा झटका होता। उन्होंने कहा,श्गोटबाया राजपक्षे का चुनाव जीतना वाकई में पाकिस्तान के लिए एक सकारात्मक संदेश है।

गोटबाया और पाकिस्तान इकनॉमिक टाइम्स के मुताबिक, राजपक्षे को 1970 के दशक में एक युवा सैन्य अधिकारी के तौर पर ऑफिसर्स ट्रेनिंग कोर्स के लिए उस वक्त पाकिस्तान भेजा गया था जब दोनों देशों के बीच काफी घनिष्ठ संबंध हुआ करते थे।

चीन में कोयला खदान विस्फोट में 15 लोगों की मौत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) पेइचिंग। चीन के शांक्शी प्रांत में एक कोयला खदान में विस्फोट से कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई और 9 लोग घायल हो गए। शांक्शी कोयला खदान सुरक्षा प्रशासन ने बताया कि यह घटना सोमवार उस समय हुई जब 35 खनिक पिंग्याओ काउंटी क्षेत्र के कोयला खदान में काम कर रहे थे। अधिकारियों ने बताया कि विस्फोट में 15 लोगों की मौत हो गई। सरकारी समचार एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक, '11 खनिक वहां से सुरक्षित निकलने में सफल रहे।' अभी तक की जांच में पता चल है कि खदान में करीब 35 मजदूर काम कर रहे थे जिस वक्त यह हादसा हुआ। हादसे के कारणों का अभी पता नहीं चल सका है। फिलहाल पूरे इलाके को खाली करा लिया गया है और रेस्क्यू ऑपरेशन चल रहा है।

100 से अधिक प्रदर्शनकारी यूनिवर्सिटी कैंपस में, 5 महीने से सड़कों पर संग्राम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

हॉन्ग कॉन्ग में पिछले 5 महीने से प्रदर्शनों का दौर जारी

हॉन्ग कॉन्ग। सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे कम से कम 100 प्रदर्शनकारी मंगलवार को भी हॉन्ग कॉन्ग विश्वविद्यालय में मौजूद हैं। शहर की नेता कैरी लाम ने कहा कि 600 लोग हॉन्ग कॉन्ग पॉलिटेक्निक परिसर से जा चुके हैं, जिनमें 18 साल से कम आयुवर्ग वाले 200 लोग शामिल हैं। पुलिस ने विश्वविद्यालय को चारों तरफ से घेर लिया है और जो भी बाहर निकलता है उसे वे गिरफ्तार कर रहे हैं।

परिसर से निकलते ही प्रदर्शनकारियों को किया जा रहा अरेस्ट: लाम ने कहा कि जो 18 साल से कम आयु के हैं उन्हें तत्काल गिरफ्तार नहीं किया जाएगा, लेकिन बाद में उन्हें आरोपों का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि बाकी 400 लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। सलाहकारों के साथ साप्ताहिक बैठक के बाद उन्होंने कहा कि वह विश्वविद्यालय परिसर में मौजूद बाकी प्रदर्शनकारियों को बाहर आने के लिए मनाने की हर तरह की कोशिश करेंगी ताकि जितनी जल्दी हो सके इस पूरे अभियान को शांतिपूर्ण तरीके से समाप्त कराया जा सके।

5 महीने से हङ्न्ग कङ्न्ग में जारी है प्रदर्शन: हांगकांग में प्रदर्शन शुरु हुए पांच महीने हो चुके हैं और विश्वविद्यालय इन प्रदर्शनों का रणक्षेत्र बन रहे हैं। हॉन्ग कॉन्ग में 5 महीने से चल रहे प्रदर्शन का दौर जारी है और विश्व भर के कई देशों ने इन प्रदर्शनों को लेकर चीन पर निशाना साधा है। विवादित प्रत्यर्पण विधेयक को लेकर शुरू हुआ प्रदर्शन अब लोकतंत्र और स्वायत्तता की मांग को लेकर जारी है।

बड़ी संख्या में छात्र कर रहे हैं प्रदर्शन: प्रदर्शन करनेवालों में छात्रों की बड़ी संख्या है। शहर भर में चल रहे प्रदर्शन को देखते हुए स्कूल–कॉलेज कई बार बंद किए जा चुके हैं। प्रदर्शनकारी छात्र मास्क पहनकर पहुंच रहे हैं, जबकि पुलिस भी आंसू गैस और गोले छोड़ रही है।

तालिबान ने अफगानिस्तान में पश्चिमी देशों के दो बंधकों को मुक्त किया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कंधार। तालिबान ने दक्षिण अफगानिस्तान में मंगलवार को पश्चिमी देशों के दो बंधकों को मुक्त कर दिया। उन्हें अमेरिकी बलों को सौंप दिया गया है।तालिबान के सूत्रों और पुलिस ने एएफपी को बताया कि जिन दो लोगों को मुक्त किया गया है उन्हें तीन साल पहले काबुल से अगवा किया गया था। अमेरिकी नागरिक केविन किंग और ऑस्ट्रेलियाई नागरिक टिमोथी वीक्स काबुल में अमेरिकन यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर के रूप में कार्यरत थे। राष्ट्रपति अशरफ गनी ने एक हफ्ता पहले घोषणा की थी कि अफगानिस्तान तीन उच्च स्तरीय तालिबान कैदियों को रिहा करेगा। साथ ही उन्होंने उम्मीद जताई थी कि इससे शांति वार्ता शुरू हो सकेगी। यह कदम कैदियों की अदला–बदली के उद्देश्य से उठाया गया है। पुलिस के एक स्थानीय सूत्र ने बताया, ''आज सुबह करीब दस बजे अमेरिकन यूनिवर्सिटी के दो प्रोफेसरों को जाबुल प्रांत के नौबहार जिले में रिहा किया गया। अमेरिकी हेलिकॉप्टरों से जाबुल से रवाना किया गया।'' प्रांत के तालिबान के सूत्रों ने भी कहा कि बंधको को मुक्त कर दिया गया है।